कृषि

कृषि के क्षेत्र में ब्लैक राइस का अभिनव प्रयोग

धान की उत्पादकता एवं आय में वृद्धि हेतु इस वर्ष खरीफ में सुगन्धित ब्लैक राइस का फसल प्रदर्शन 25 कृषकों के खेतों पर आयोजित कराया गया है। इस प्रजाति का बीज 400 रु0 प्रति कि०ग्राम की दर से मणिपुर से प्राप्त किया गया तथा इसका 800 रुप्रतिकि० ग्राम विक्रय मूल्य होने से कृषकों की आय में वृद्धि होगी। धान की यह प्रजाति पोषक तत्वों एवं औषधीय गुणों से परिपूर्ण है एवं मधुमेह रोग में यह गुणकारी है। सुगन्धित ब्लैक राइस की अज एवं कीमत भी अच्छी मिलती है। इस वर्ष फसल की उपज अच्छी प्राप्त होती है तथा कृषकों का रुझान इस प्रजाति के लिए बढ़ता है तो आगामी वर्ष में अधिक क्षेत्रफल में इसकी खेती को बढावा दिया जायेगा।

जी0आर0-32 धान को जियोग्राफिकल इन्डिकेशन के अन्तर्गत लाने का अभिनव प्रयास

जनपद चन्दौली के विकास खण्ड शहाबगंज, चकिया, चन्दौली, बरहनी, सकलडीहा, धानापुर, चहनियाँ व नियमताबाद में लगभग 2500 हे0 क्षेत्रफल में जी0आर0-32 धान की खेती लगभग 25 वर्षो से सफलतापूर्वक की जा रही यह प्रजाति उ0प्र0 के जनपद चन्दौली में ही अधिक क्षेत्रफल में की जा रही है जिसकी औसत उत्पादकता 25-30 कुं0/हे0 है तथा इसका विक्रय मूल्य लगभग रू0 4500-5000/कु0 होने से कृषकों को अन्य धान की अपेक्षा कम लागत में अधिक आय प्राप्त होता है चूंकि यह जनपद चन्दौली में ही इसकी खेती होने के कारण इस प्रजाति को जियोग्राफिकल इन्डिकेशन के तहत पंजीकृत कराने की दिशा में कार्यवाही की जा रही है। जिससे पंजीकरण के उपरान्त राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रजाति जी0आर0-32 ख्याति प्राप्त कर सके। इससे विक्रय मूल्य अधिक मिलेगा और कृषकों की आय में वृद्धि होगी।

कृषि के क्षेत्र में औषधीय खेती का अभिनव प्रयोग:-

आज के समय में किसान अपने परिवार का अच्छी तरह से पालन पोषण करने के लिए ज्यादा पैसा कमाना चाहता है। कम खर्च में अधिक मुनाफा कमाने के लिए कुछ वर्षो में औषधीय फसलों की तरफ किसानों का रूख बढ़ा है और इस तरह की खेती कर कई सारे किसान इसका अधिक लाभ ले रहे है। औषधीय पौधों की खेती बेकार पड़ी बंजर और पहाड़ी इलाकों में भी खेती की जा सकती है। कुछ ऐसी ही औषधीयाँ जैसे 1- स्टीबिया की खेती, 2-आर्टीमीशिया की खेती, 3-शतावर की खेती, 4- तुलसी की खेती, 5 एलोवेरा की खेती एवं गुड़वार की खेती से खाद्यान्न फसलों की अपेक्षा अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

उक्त औषधीय खेती के सम्बन्ध में जनपद के लगभग 100 कृषकों को सीमैप (सेन्ट्रल इन्स्टीट्यूट आँफ एरोमेटिक प्लान्ट) लखनऊ के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र चन्दौली में प्रशिक्षण दिया गया है तथा आगामी माह में जनपद के 50 कृषकों को सीमैप, लखनऊ में प्रशिक्षण कराने का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है जहाँ से कृषक प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने खेतों पर औषधीय खेती करते हुए खाद्यान्न फसलों की अपेक्षा अधिक लाभ कमा सके।